बाढ़ ने घर उजाड़ दिया

संबंधित संघर्ष

त्यागा हुआ ~ 🙏 मुझे मत भूल। सहायता कर! 🙏

तानाकशी ~ “मैं तो केवल आशीषों के योग्य था।”

स्थिर ~ क्या महत्वपूर्ण है? मेरा सच्चा घर कहाँ लगता है?

अपराध-बोध
संबंधित संघर्ष
इनकार ~ छिपा हूँ या उघड़ा — क्या मैं दोषी हूँ?
भयभीत ~ केवल परमेश्वर धर्मी न्यायी है। फिर मनुष्यों और अपनी राय से क्यों डरूँ?
पुनर्स्थापित ~ टूटा हुआ सम्बन्ध हमें उत्तम से — परमेश्वर से — अलग करता है।

अंधेरे में डर
संबंधित संघर्ष
अविश्वासी ~ अकेले में अनहोनी का भय घेर लेता है।
खोया हुआ ~ भीतर के भ्रमित करनेवाले बिगाड़ के पीछे कौन है?
बना रहनेवाला ~ मार्ग को कौन प्रकाशित करता है?

वासना की इच्छाएँ
संबंधित संघर्ष
एकाकीपन ~ “और कोई नहीं जानेगा।”
मूर्तिपूजा ~ “अपने मन के पीछे चल” — बुराई में।
संगति ~ पाप सम्बन्धों को मार डालता है।

परिवार या परमेश्वर — दोनों नहीं

संबंधित संघर्ष

अपेक्षा ~ आदर करूँ या आज्ञा मानूँ — क्या मैंने विश्वासघात किया?

कपट ~ कर्तव्य और भय गड्डमड्ड

जीवन-रज्जु ~ मेरे मन को कौन थामे है?

दोस्त नशा देते हैं

संबंधित संघर्ष

अपवित्र ~ निकटता और पहचान के लिये परमेश्वर की रचना का दास बनानेवाला, विनाशकारी इनकार — क्या तू परमेश्वर से बढ़कर जानता है?

बेचैन ~ स्वयं को धोखा देना चलन में है।

नियंत्रण ~ जो मैं चाहता हूँ, या जो तू चाहता है?

पाप से चिपके रहना

संबंधित संघर्ष

अपश्चातापी ~ बेलगाम या मसीह से कटा हुआ, सुनता ही नहीं।

अस्वस्थ ~ परमेश्वर की उत्तम आज्ञाओं से दूर सम्बन्ध क्षीण होते हैं।

भरोसा ~ राजा और सृजनहार सब कुछ पूर्ण करता है, जब मैं उसकी इच्छा के अधीन होता हूँ।

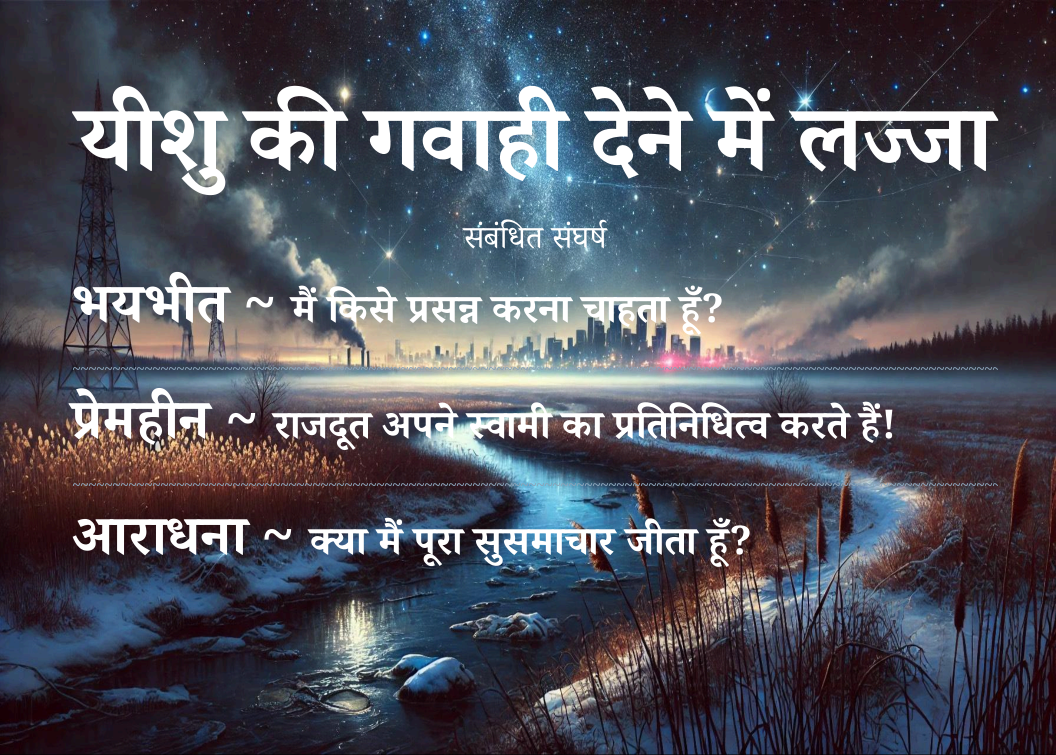
यीशु की गवाही देने में लज्जा
संबंधित संघर्ष
भयभीत ~ मैं किसे प्रसन्न करना चाहता हूँ?
प्रेमहीन ~ राजदूत अपने स्वामी का प्रतिनिधित्व करते हैं!
आराधना ~ क्या मैं पूरा सुसमाचार जीता हूँ?

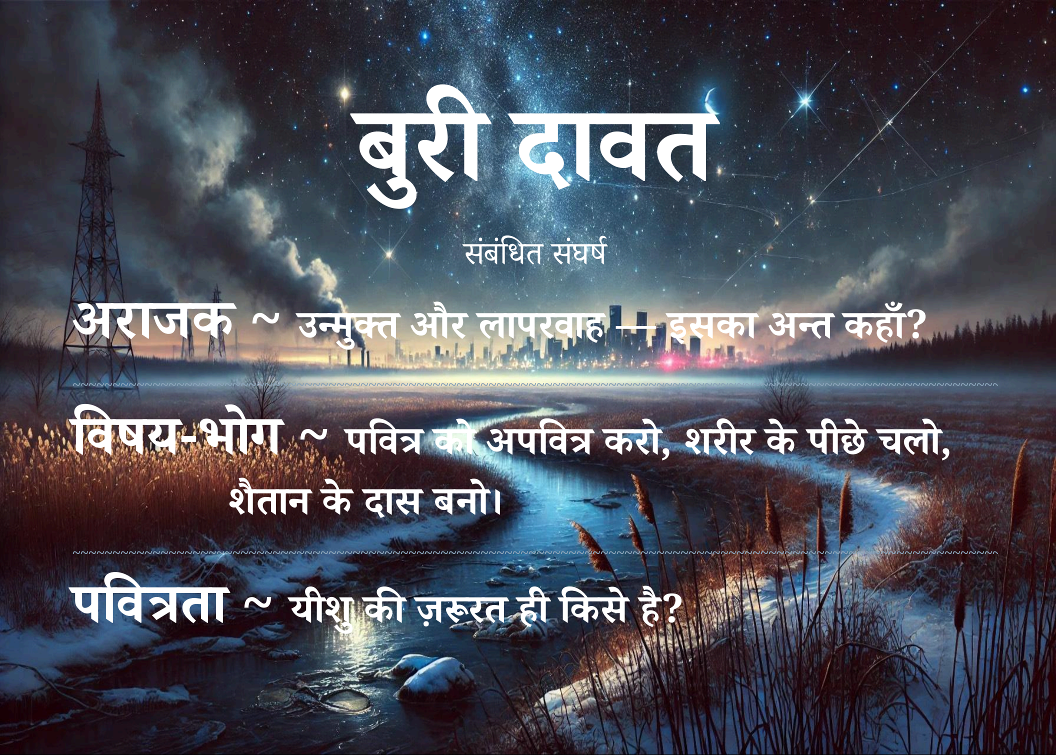
बुरी दावत
संबंधित संघर्ष
अराजक ~ उन्मुक्त और लापरवाह — इसका अन्त कहाँ?
विषय-भोग ~ पवित्र को अपवित्र करो, शरीर के पीछे चलो, शैतान के दास बनो।
पवित्रता ~ यीशु की ज़रूरत ही किसे है?

क्या तुम मित्र के लिए प्राण दोगे?

संबंधित संघर्ष

हानि ~ मैं अपनी ही इच्छा के लिये कैसे मरूँ?

निर्मम ~ प्रेम क्या है?

बुद्धि ~ क्या मैं और किसी रीति से जी सकता हूँ?

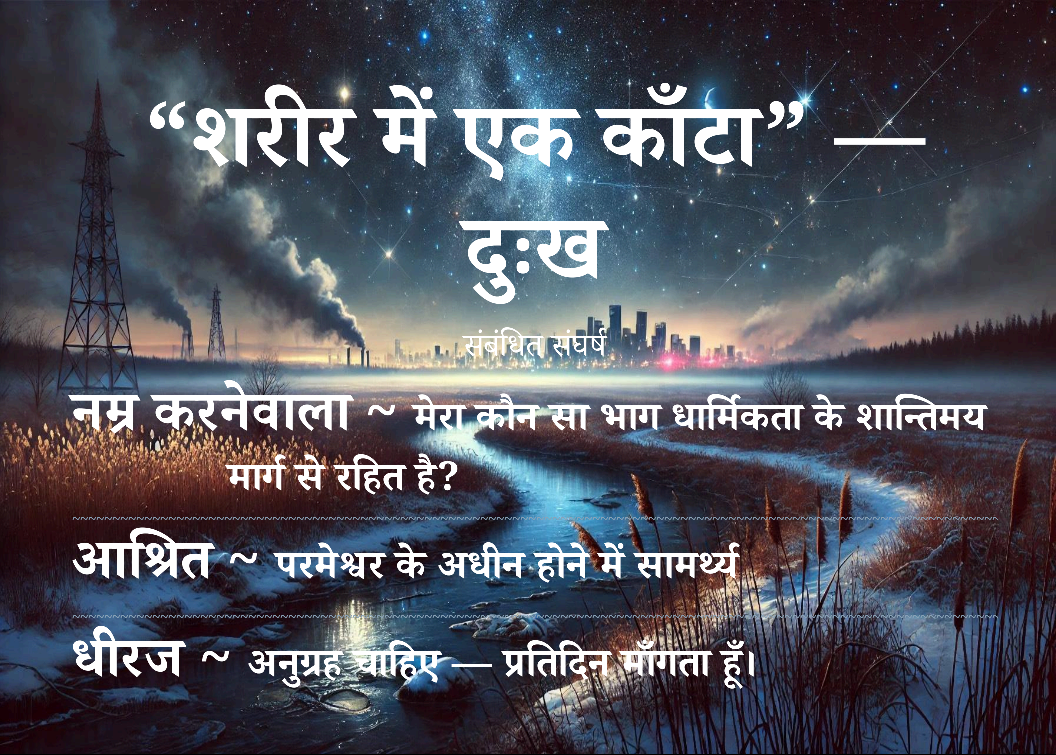

“शरीर में एक काँटा” — दुःख
संबंधित संघर्ष
नम्र करनेवाला ~ मेरा कौन सा भाग धार्मिकता के शान्तिमय मार्ग से रहित है?
आश्रित ~ परमेश्वर के अधीन होने में सामर्थ्य
धीरज ~ अनुग्रह चाहिए — प्रतिदिन माँगता हूँ।

मरणासन्न भूख

संबंधित संघर्ष

दीन ~ 🙏🙏 *मसीह पर निर्भर रहने और तृप्त होने में सहायता कर!* सब आत्मिक रूप से बेहाल हैं।

अतृप्त ~ शारीरिक भूख तरसती ही रहती है।

विश्वास ~ भूखा रहते हुए क्या मैं परमेश्वर पर भरोसा रख सकता हूँ?